



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 497]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 30, 2019/भाद्र 8, 1941

No. 497]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 30, 2019/BHADRA 8, 1941

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

सं. 2/2019- सीमा शुल्क (सीवीडी)

नई दिल्ली, 30 अगस्त 2019

सा.का.नि. 610(अ).—जहां कि चीन जनवादी गणराज्य (एतश्मिन पश्चात जिसे विषयगत देश से संदर्भित किया गया है) में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित और भारत में आयातित “सक्करीन, अपने सभी रूपों में” जो कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) (एतश्मिन पश्चात जिसे उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम से संदर्भित किया गया है) की प्रथम अनुसूची के टैरिफ मद 2925 11 00 के अंतर्गत आता है, के आयात के मामले में और अधिसूचना संख्या 6/8/2018-डीजीएडी, दिनांक 19 जून, 2019, के तहत भारत के राजपत्र असाधारण के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्षों में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस निर्णय पर पहुंचते हैं कि—

- (i) प्रश्नगत उत्पाद भारत को विषयगत देश से आर्थिक सहायता प्राप्त मूल्य पर निर्यात किया गया था, जिसके कारण यहां इन आर्थिक सहायता प्राप्त उत्पादों की भरमार हो गई।
- (ii) प्रश्नगत उत्पादों को आर्थिक सहायता मिलने के कारण यहां के घरेलू उद्योग को सारवान क्षति हुई है।
- (iii) यह सारवान क्षति विषयगत देश में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित विषयगत वस्तु के आर्थिक सहायता प्राप्त आयात के कारण हुई है।

अतः अब सीमा शुल्क टैरिफ (आर्थिक सहायता प्राप्त वस्तुओं की पहचान, उनका आंकलन और उन पर काउंटरवेलिंग ड्यूटी का संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 20 और 22 के साथ पठित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 की उप धारा (1) और (6) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, उक्त निर्दिष्ट प्राधिकारी के अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने के पश्चात, एतद्वारा, विषयगत वस्तु पर, जिसका विवरण नीचे सारणी के कॉलम (3) में

निर्दिष्ट है, जो कि उक्त सारणी के कॉलम (2) की तत्संबंधी प्रविष्टि में निर्दिष्ट सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के टैरिफ मद के अंतर्गत आती हैं, कॉलम (4) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट देश में मूलतः उत्पादित है और वहां से निर्यातित है, कॉलम (5) तत्संबंधी प्रविष्टि में निर्दिष्ट उत्पादकों से उत्पादित है और भारत में आयातित है, पर कॉलम (6) की तत्संबंधी प्रविष्टि में निर्दिष्ट राशि के बराबर 'काउंटरवेलिंग ड्यूटी' लगाती है, यथा—

शुल्क सारणी

क्र.सं.	टैरिफ मद	वस्तु का विवरण	मूलतः उत्पादक/निर्यातक का देश	उत्पादक	शुल्क की राशि, सीआईएफ के % के रूप में
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	2925 11 00	सक्करीन, अपने सभी रूपों में	चीन	कोई भी	20

2. इस अधिसूचना के अंतर्गत लगाई गई 'काउंटरवेलिंग ड्यूटी' सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक (यदि इससे पहले इसे वापस नहीं लिया जाता है, इसका अधिक्रमण नहीं होता है, या इसमें संशोधन नहीं होता है तो) लागू रहेगी और इसका भुगतान भारतीय मुद्रा में करना होगा।

स्पष्टीकरण :- इस अधिसूचना के उद्देश्य के लिए,

(1) "सीआईएफ मूल्य" से अभिप्राय सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 के अंतर्गत यथानिर्धारित आंकलन योग्य मूल्य से है।

[फा. सं. 354/61/2019-टीआरयू]

गुंजन कुमार वर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

No. 2/2019-Customs (CVD)

New Delhi, the 30th August, 2019

G.S.R. 610(E).—Whereas, in the matter of “Saccharin in all its forms” (hereinafter referred to as the subject goods) falling under tariff item 2925 11 00 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (hereinafter referred to as the Customs Tariff Act), originating in or exported from, People’s Republic of China (hereinafter referred to as the subject countries), and imported into India, the Designated Authority in its final findings, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, *vide* notification No. 6/18/2018-DGAD, dated the 19th June, 2019, has come to the conclusion that:-

- (a) the product under consideration has been exported to India from subject countries at subsidized value, thus resulting in subsidization of the product;
- (b) the domestic industry has suffered material injury due to subsidization of the product under consideration; and
- (c) the material injury has been caused by the subsidized imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (6) of section 9 of the Customs Tariff Act, read with rules 20 and 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Countervailing Duty on Subsidized Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid final findings of the Designated Authority, hereby imposes definitive Countervailing Duty on the subject goods, the description of which is specified in column (3) of the Table below, falling under tariff item of the First Schedule to the Customs Tariff Act as specified in the corresponding entry in column (2), originating in and exported from the countries as specified in the corresponding entry in column (4), produced by the producers as specified in the corresponding entry in column (5), and imported into India, countervailing duty of an amount as specified in the corresponding entry in column (6) of the said Table, namely:-

TABLE

S. No.	Tariff Item	Description of goods	Country of Origin/Export	Producer	Duty amount as % of CIF value
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	2925 11 00	Saccharin in all its forms	China	Any	20

2. The countervailing duty imposed under this notification shall be levied for a period of five years (unless revoked, superseded or amended earlier) from the date of publication of this notification in the Official Gazette and shall be payable in Indian currency.

Explanation: – For the purposes of this notification,

(1) “CIF value” means the assessable value as determined under section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

[F. No. 354/ 61/2019-TRU]

GUNJAN KUMAR VERMA, Under Secy.